

This question paper contains 2 printed pages]

RN—76—2022

FACULTY OF ARTS

M.A. (Second Year) (Third Semester) EXAMINATION

MAY/JUNE, 2022

(CBCS/New Course)

HINDI

Paper X

(समीक्षा सिद्धांत, भाग-1, अनिवार्य बीजपत्र)

(Wednesday, 29-06-2022)

Time : 2.00 p.m. to 5.45 p.m.

Time— 3.45 Hours

Maximum Marks—75

N.B. :— (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. संस्कृत के काव्य-सिद्धांतों की परंपरा पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

आचार्य भरतमुनि के रस-सिद्धांत को विशद कीजिए।

2. रीति-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाओं को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

वक्रोक्ति की अवधारणा को स्पष्टकर वक्रोक्ति के भेदोपभेदों की चर्चा कीजिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए : 10

(अ) ऐतिहासिक आलोचना की विशेषताएँ

अथवा

मनोवैज्ञानिक आलोचना की विशेषताएँ।

(ब) हिंदी आलोचना में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का योगदान। 10

अथवा

आलोचक डॉ. नामवर सिंह।

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग पंद्रह-बीस पंक्तियों में लिखिए : 5
- (i) अलंकार और अलंकार्य के अंतर को रेखांकित कीजिए।
- (ii) काव्यगुण विषयक आचार्य वामन के विचारों की चर्चा कीजिए।
- (iii) रस के अंगों का विवेचन कीजिए।
- (iv) तुलनात्मक आलोचना की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में लिखिए : 5
- (i) 'रीति' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया है ?
- (ii) स्थायी भावों की संख्या कितनी है ?
- (iii) 'वक्रोक्ति : काव्य जीवितम्' यह मान्यता किसकी है ?
- (iv) अलंकार के प्रमुख भेद कितने हैं ?
- (v) 'आलोचक के मुख से' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
- (आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5
- (i) 'नाट्यशास्त्र' के रचयिता है।
- (ii) ने साधारणीकरण शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग कर उसके स्वरूप को समझाने का प्रयास किया है।
- (iii) 'रीतिरात्मा काव्यस्य' यह मान्यता की है।
- (iv) ने पाश्चात्य अभिव्यंजनावाद को 'भारतीय वक्रोक्ति सिद्धांत का विलायती उत्थान' कहा है।
- (v) आलोचना में समाज की आर्थिक परिस्थितियों और वर्ग-संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में कृति का मूल्यांकन किया जाता है।